Roll No.....

B.A. (Part-2) Examination - 2012
(New Course)
HD-03
नाटक एवं अन्य गद्य विधाएं

समय : 3 घंटे **पूर्णांक : 60**

नोट : यह प्रश्न पत्र **'क' 'ख'** और **'ग'** तीन खंडों में विभाजित है .प्रत्येक खण्ड के निर्देशानुसार प्रश्नों के उत्तर दें .

खण्ड - क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न)

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : **2×5 = 10**

(क) जिस व्यक्ति या वस्तु पर प्रभाव डालने के लिए वीरता दिखाई जाती है , उसकी ओर उन्मुख कर्म होता है और कर्म की ओर उन्मुख उत्साह नामक भाव होता है. सारांश यह है कि किसी वस्तु के साथ उत्साह का सीधा लगाव नहीं होता. समुद्र लांघने के लिए जिस उत्साह के साथ हनुमान उठते हैं, उसका कारण समुद्र नहीं समुद्र लांघने का विकट कर्म है. कर्म भावना ही उत्साह उत्पन्न करती है. वस्तु या व्यक्ति की भावना नहीं.

(ख) कला के लिए या सामाजिक उत्तरदायित्व से मुक्त होकर प्रयोग करने की स्वाधीनता की गुहार मचाने वाले साहित्यकारों का दिल टटोलिए. हृदय-सिंधु की जगह इनका दिल सड़े हुए पानी से भरी हुई गड़ही की तरह है; उसमें जनता से प्रेम के बदले देश की तरफ से उदासीनता और साम्राज्य भक्ति के बगूले उठते हैं. ये लोग 'फॉर्म' की रट लगाकर साहित्य में उच्चकोटि के विचारों के महत्त्व को अस्वीकार करते हैं.

(ग) महाजनी सभ्यता के पास ईर्ष्या, जोर-जबर्दस्ती, बेईमानी, झूठ, मिथ्या अभियोग-आरोप, वेश्यावृति, चोरी-डाके, आदि का कोई इलाज नहीं है. ये सारी बुराइयां दौलत की देन हैं, पैसे के प्रसाद हैं, महाजनी सभ्यता ने इनकी सृष्टि की है. वही इनको पालती है और वही यह भी चाहती है कि जो दलित-पीड़ित हैं और विजित हैं, वे इसे ईश्वरीय विधान समझकर अपनी स्थिति पर सन्तुष रहें.

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर विस्तार से दीजिए : **2×10 = 20**

(क) नाटक का स्वरूप स्पष्ट करते हुए विस्तार से नाटक के मान्य तत्त्वों का विवेचन कीजिए.

(ख) महाकवि जयशंकर प्रसाद का सम्पूर्ण जीवन एवं साहित्यिक परिचय देते हुए उनके नाट्य-कृत्तित्व की प्रमुख विशेषताएं बताइये.

(ग) आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी के जीवन एवं साहित्यिक अवदान का विस्तार से उल्लेख करते हुए 'नाखून क्यों बढ़ते हैं' निबंध का मूल प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए .

(घ) संस्मरण से आप क्या समझते हैं ? पठित पाठ के अनुसार 'घीसा' संस्मरण की विषय-वस्तु का विवेचन कीजिए.

खण्ड - ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

3. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए . सभी प्रश्नों के अंक सामान हैं.

4×5=20

(क) निबंध का स्वरूप स्पष्ट करते हुए बताइये निबंध कितने प्रकार के होते हैं ?

(ख) ध्रुवस्वामिनी में निहित स्त्री की स्थिति पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए.

(ग) ध्रुवस्वामिनी की कथा-वस्तु को प्रस्तुत करते हुए उसकी पात्र-योजना पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए.

(घ) भारत भूषण अग्रवाल का संक्षिप्त जीवन परिचय देते हुए 'महाभारत की एक सांझ' एकांकी का उद्देश्य अपने शब्दों में लिखिए.

(ङ) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल लिखित 'उत्साह' निबंध का प्रतिपाद्य अपने शब्दों में लिखते हुए उत्साह के भेदों पर प्रकाश डालिए.

(च) 'नाखून क्यों बढ़ते हैं ?' के आधार पर आचार्य द्विवेदी की भाषा एवं शैली पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए.

(छ) आत्मकथांश 'मेरा बचपन' का सारांश अपने शब्दों में लिखिए .

(ज) नाटक तथा एकांकी मैं अंतर स्पष्ट कीजिए .

खण्ड - ग

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

4. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं. **10×1=10**

(क) हिन्दी के दो प्रमुख आलोचकों के नाम बताइये.

(ख) जयशंकर प्रसाद का जन्म कब हुआ ?

(ग) 'चन्द्रगुप्त' किसकी रचना है ?

(घ) 'नाखून क्यों बढ़ते हैं ?' किस विधा की रचना है ?

(ङ) कथा सम्राट प्रेमचंद की मृत्यु कब हुई ?

सही विकल्प चुनिए -

(च) प्रेमचन्द का जन्म कहाँ हुआ था ?

1. पटना 2. इलाहाबाद 3.मिर्जापुर 4. लमही

(छ) हिन्दी साहित्य के प्रमुख व्यंग्य लेखक हैं -

1. प्रसाद 2.हरिशंकर परसाई 3.शील 4.नगेन्द्र

(ज) निम्नलिखित में से कौन 'उत्साह' का भेद नहीं है -

1.महावीर2. दानवीर 3.युद्धवीर 4.दयावीर

(झ) अपने निबन्धों को 'अंतर्यात्रा में पड़ने वाले कुछ प्रदेश' किसने कहा था ?

1.निराला 2.रामचन्द्र शुक्ल 3.गोर्की 4.हैकल

(ञ) 'प्रगति और परम्परा' किसकी रचना है ?

1.रामकुमार

2.निर्मल वर्मा

3.रामविलास शर्मा

4.देवराज